दिनांक: 5 अगस्त 2023

‘उन्मेष’ और ‘उत्कर्ष’ उत्सव

पाठ्यक्रम: जीएस -1 / कला और संस्कृति, कला रूप और साहित्य

संदर्भ:–

- हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने **भोपाल, मध्य प्रदेश में ‘उन्मेश’ और ‘उत्कर्ष’** त्योहारों का उद्घाटन किया।
  - इन समारोहों का आयोजन **साहित्य अकादमी और संगीत नाटक अकादमी द्वारा** समावेशिता और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के उद्देश्य से किया गया था।

‘उन्मेष’ – अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव–

- भाषाओं की संख्या के मामले में यह भारत का सबसे समावेशी और एशिया का सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव है।
- 102 भाषाओं में भाग लेने वाले 575 से अधिक लेखकों के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा साहित्य महोत्सव बनने के लिए तैयार है।
- महोत्सव में कविता और लघु कथाओं के पाठ के साथ-साथ समुद्री साहित्य, पारिस्थितिक आलोचना, मशीनें और साहित्य, भारत की अवधारणा, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाली शिक्षा और अनुवाद जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

उत्कर्ष – लोक और जनजातीय कला महोत्सव-

- इस उत्सव का उद्देश्य जनजातीय लोगों के कला रूपों की उन्नति को प्रदर्शित करते हुए जनजातीय लोगों की संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना है।
- यह एकता की भावना को बढ़ावा देने में सहायता करेगा जो उन्हें देश के विकास में सक्रिय रूप से योगदान करने में सक्षम बनाएगा।

साहित्य अकादमी के बारे में–

- भारत की राष्ट्रीय पत्र अकादमी की स्थापना 1954 में भारत सरकार द्वारा की गई थी।

- यह एक स्वतंत्र संगठन है जो संस्कृति मंत्रालय को रिपोर्ट करता है। सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अनुसार, इसे 7 जनवरी 1956 को एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- यह अंग्रेजी सहित 24 भारतीय भाषाओं में लिखे गए साहित्य को बढ़ावा देता है और संरक्षित करता है।
- भारतीय साहित्य को बढ़ावा देने के लिए, अकादमी विदेशों में कई देशों के साथ साहित्यिक आदान-प्रदान की भी व्यवस्था करती है।
- साहित्य अकादमी का मुख्य लक्ष्य भारत में सभी पृष्ठभूमि के लेखकों को समर्थन और प्रोत्साहित करना है, जिनमें महिलाएं, दलित, युवा और पूर्वोत्तर के लेखक शामिल हैं।

संगीत नाटक अकादमी के बारे में-

- संगीत नाटक अकादमी भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय का एक स्वायत्त निकाय है।
- यह देश में प्रदर्शन कला के क्षेत्र में शीर्ष निकाय है।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश से, यह 1952 में स्थापित किया गया था, जिसमें डॉ पी वी राजमन्नार इसके पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।
- इसकी स्थापना 1953 में भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ की गई थी, जिसे संगीत, नृत्य और रंगमंच के माध्यम से व्यक्त किया जाता है।

स्रोत: पीआईबी

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत की राष्ट्रीय पत्र अकादमी की स्थापना 1952 में भारत सरकार द्वारा की गई थी।
2. भारत के संस्कृति मंत्रालय ने भोपाल, मध्य प्रदेश में 'उन्मेश' और 'उत्कर्ष' त्योहारों का उद्घाटन किया।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?

- (a) केवल कथन 1
- (b) केवल कथन 2
- (c) कथन 1 और कथन 2
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर : (c)

मुख्य परीक्षा प्रश्न : 'उन्मेश' और 'उत्कर्ष' महोत्सव किस तरीके से साहित्य अकादमी को बढ़ावा दे सकता है। चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

हिमालयन ग्रिफ़न गिद्ध

पाठ्यक्रम: जीएस -3 / पर्यावरण, समाचार में प्रजातियां

संदर्भ-

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने असम राज्य चिड़ियाघर में **भारत में हिमालयी गिद्ध** के कैप्टिव प्रजनन **(प्राकृतिक वातावरण के बाहर प्रजनन) का** पहला उदाहरण दर्ज **किया है।** इससे फ्रांस के बाद यह दुनिया में इस तरह का दूसरा उदाहरण **है।**

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

<u>हिमालयी गिद्धों के बारे में:-</u>

जिप्स हिमालयनसिस, जिसे "हिमालयन ग्रिफॉन" के नाम से भी जाना जाता है, एक बड़ा, हल्के पीले रंग का गिद्ध है जो हिमालय में लगभग हर जगह पाया जा सकता है। **सामान्य नाम:** हिमालयन गिद्ध; हिमालयन ग्रिफन, वैज्ञानिक नाम: **जिप्स हिमालेंसिस**

विवरण: –

- वे गिद्ध होते हैं जिनके पास स्टाउट बिल, ढीले पंख वाले रफ, लंबे पंख और एक छोटी पूंछ होती है।
- यह जिप्स *प्रजातियों में सबसे बड़ा है, यह संभवतः हिमालय का सबसे बड़ा और भारी पक्षी है और औसतन सभी प्रकार से अपने प्रजाति से बड़ा है।*

निवास स्थान:-

- यह ज्यादातर तिब्बती पठार और हिमालय की उच्च ऊंचाई पर निवास करता है, 1500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर रहते हैं।

आवास:-

- पश्चिमी चीन, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान सभी इस प्रजाति के घर हैं। इसके अतिरिक्त, यह मंगोलिया, भारत में हिमालय पर्वत श्रृंखला और मध्य चीन में पाया जा सकता है।

IUCN की स्थिति: निकट संकटग्रस्त।

<u>भारत में गिद्ध</u>

घटती स्थिति:-

- 1990 के दशक के बाद से, गिद्धों की संख्या लगातार घट रही है।
- पिछले कुछ दशकों में डाइक्लोफेनाक नामक दर्द निवारक दवा जो पशुओं को दिया जाता है। इन मृत पशुओं को खाने के कारण गिद्धों के गुर्दे ख़राब होने लगते हैं जिससे गिद्धों की मृत्यु हो जाती है।
- जबकि वर्तमान में इस दवा पर प्रतिबंध से गिद्धों की आबादी में वृद्धि देखी गई है।
- गिद्धों की तीन गंभीर रूप से गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में शामिल हैं **– व्हाइट-बैक्ड वल्चर (Whilte-backed Vulture), स्लेंडर-बिल्ड वल्चर (Slender-billed vulture), लॉन्ग-बिल्ड वल्चर (long-billed vulture) 1990 के दशक के अंत और 2007 के बीच, जनसंख्या में भारी गिरावट आई और 99% प्रजातियाँ लुप्त हो गईं।**
- **मिस्र के गिद्ध की आबादी में 80% की गिरावट आई, जबकि लाल सिर वाले गिद्ध, जो गंभीर रूप से लुप्तप्राय है, में 91 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।**

खतरा :-

- डिक्लोफेनाक और अन्य गिद्ध-विषाक्त नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इन्फ़्लमेटरी दवाओं (एनएसएआईडी)।
- गिद्ध के अंगों के व्यापार

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

पारिस्थितिकी में गिद्धों की भूमिका-

- गिद्ध पर्यावरण के प्राकृतिक सफाईकर्मी होते हैं। वे भोजन के रूप में मृत और सड़ने वाले जानवरों के शवों का उपयोग करते हैं, जिससे मिट्टी में खनिजों के लौटने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। इसके अतिरिक्त, मृत शवों को समाप्त कर वे संक्रामक बीमारियों को फैलने से भी रोकते हैं।
- गिद्ध जैसे मैला ढोने वाले सड़े हुए जानवरों के अवशेष खाकर पारिस्थितिकी तंत्र को साफ और संतुलित रखने में अपना हिस्सा करते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि गिद्ध दूषित शवों को खाने के बावजूद बीमारी की चपेट में आने से बचते हैं।
- भारत में पारसी समुदाय परंपरागत रूप से अपने शवों के निपटान के लिए गिद्धों पर निर्भर रहा है। पारसी धर्म के लोगों के लिए महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र सेवा प्रदान कर रहे हैं।

संरक्षण के लिए पहल-

- **गिद्ध संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम** बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) और केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) **द्वारा विकसित किया गया था।**
- एमओईएफसीसी ने **गिद्ध संरक्षण के लिए कार्य योजना 2006 जारी** की, जिसमें भारत के औषधि महानियंत्रक ने उसी वर्ष डाइक्लोफेनाक के पशु चिकित्सा उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।
- **गिद्ध कार्य योजना 2025:** उत्तर प्रदेश के दो स्थानों सहित देश भर के आठ स्थान, जहां गिद्धों की आबादी अभी भी मौजूद, गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इसे राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड (NBWL) ने गिद्धों के संरक्षण के लिए गिद्ध संरक्षण कार्य योजना 2020-2025 को मंजूरी दी है।
- बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) द्वारा हरियाणा के पिंजौर**, मध्य प्रदेश के भोपाल, असम के रानी और पश्चिम बंगाल के राजाभाटखावा में स्थापित चार** गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र (वीसीबीसी) गिद्धों के संरक्षण प्रजनन में शामिल हैं।

कैप्टिव प्रजनन-

- कैप्टिव प्रजनन जानवरों को उनके प्राकृतिक वातावरण के बाहर किसी स्थान, चिड़ियाघरों या अन्य बंद सुविधाओं में प्रतिबंधित परिस्थितियों में प्रजनन करने की प्रक्रिया है।

गिद्ध प्रजातियों के अन्य प्रकार-

भारत में पाए जाने वाले गिद्धों की प्रजातियां और उनके संरक्षण की स्थिति-

क्र.सं.	आम नाम	वैज्ञानिक नाम	संरक्षण की स्थिति
01.	बियर्डेड वल्चर	जिपाइटस बारबाटस	कम चिंताजनक
02.	सिनसेरस वल्चर	एजिपियस मानाकुस	संकट के करीब
03.	इजिप्शियन वल्चर	नीयोफ्रोन प्रीक्नोपटेरस	विलुप्तप्राय
04.	ग्रिफ्फान वल्चर	जिप्स वुल्स	कम चिंताजनक
05.	हिमालयन वल्चर	जिप्स हिमायियान	कम चिंताजनक
06.	इंडियन वल्चर	जिप्स इंडिकस	गंभीर रूप से चिंताजनक
07.	बंगाल का गिद्ध	जीप्स बैंगालॉन्सिस	गंभीर रूप से चिंताजनक
08.	लाल– सिर वाला गिद्ध	सारकोजिप्स कैलवस	गंभीर रूप से चिंताजनक
09.	लंबी– चोंच वाला गिद्ध	जिप्स टेरनूईरोस्ट्रिस	गंभीर रूप से चिंताजनक

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

स्रोत: आईयूसीएन रेड डाटा किताब | TH

PC-DTW

<u>प्रारम्भिक परीक्षा प्रश्न-</u>

<u>निम्नलिखित में भारतीय गिद्धों के विलुप्त होने से संबंधित कथनों पर विचार करे।</u>
(a) अन्य जानवरों द्वारा अवैध शिकार।
(b) जलवायु परिवर्तन।
(c) मवेशियों के इलाज हेतु इस्तेमाल की जाने वाली डिक्लोफेनाक दवा।
(d) अन्य देशों में प्रवास ।
उत्तर: (c)

मुख्या परीक्षा प्रश्न : **भारतीय गिद्ध के विलुप्त होने के कारणों को बताते हुए इनके संरक्षण के प्रयासों पर चर्चा कीजिए?**

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com